

प्रेषक,

अमरेन्द्र सिन्हा,
सचिव,
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

निदेशक,
शहरी विकास विभाग,
उत्तरांचल, देहरादून।

शहरी विकास अनुभाग:

देहरादून: दिनांक-30 नवम्बर, 2006

विषय : नगर पालिका परिषद, विकास नगर के अन्तर्गत अवस्थापना विकास निधि से प्रस्तावित कार्यों हेतु वर्ष-2006-07 में प्रशासकीय एवं वित्तीय तथा व्यय की स्वीकृति के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषय के सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि नगर पालिका परिषद, विकास नगर जनपद देहरादून के अन्तर्गत अवस्थापना विकास निधि से संलग्न सूची में उल्लिखित 18 कार्यों हेतु प्रस्तुत रु०-58.71 लाख की लागत के आगणन विपरीत टी०ए०सी० द्वारा परीक्षणोपरान्त संस्तुत रु०-54.27 लाख (रुपये चौवन लाख सत्ताईस हजार मात्र) की लागत के आगणन की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए इतनी ही धनराशि को व्यय हेतु आपके निवर्तन पर निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

1. उक्त धनराशि आपके द्वारा आहरित कर संबंधित कार्यदायी संस्थाओं को बैंक ड्राफ्ट अथवा चैक के माध्यम से उपलब्ध करायी जायेगी।
2. अवस्थापना विकास मद से स्वीकृत की जा रही धनराशि को स्थानीय निकायों के द्वारा अध्यक्ष एवं अधिशासी अधिकारी का संयुक्त रूप से एक पृथक खाता किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में खोल कर जमा किया जायेगा। किसी भी दशा में उक्त धनराशि का उपयोग अन्य मदों में न किया जाय। इसके लिए संबंधित अधिशासी अधिकारी व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार होंगे।
3. उक्त धनराशि का उपयोग उन्हीं योजनाओं एवं मदों के लिए किया जायेगा, जिन योजनाओं एवं मदों के लिए धनराशि स्वीकृत की गयी है। किसी भी दशा में धनराशि का व्यावर्तन किसी अन्य योजना/मद में नहीं किया जायेगा।
4. टाईल सड़कों के निर्माण हेतु शासनादेश सं०-3173/V-श०वि०-2006, दिनांक-30 अगस्त, 2006 जो वित्त विभाग की सहमति से जारी किया गया है, का अनुपालन बाध्यकारी होगा।
5. स्वीकृत धनराशि के व्यय अथवा निर्माण करने से पूर्व सभी योजनाओं/कार्यों पर संबंधित मानचित्र एवं विस्तृत आगणन गठित कर तकनीकी दृष्टिकोण से समस्त औपचारिकतायें पूर्ण करते हुए एवं विशिष्टियों का अनुपालन करते हुए प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त किया जाना आवश्यक होगा। बिना प्राविधिक स्वीकृति के किसी भी दशा में कार्य को प्रारम्भ न किया जाए।
6. कार्य पर उतना ही व्यय किया जाए, जितना कि स्वीकृत नार्म है। स्वीकृत नार्म से अधिक व्यय कदापि न किया जाए।
7. कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताएं तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुए एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित कराना सुनिश्चित करें। संबंधित कार्यदायी संस्था द्वारा निर्माण कार्य निर्धारित अवधि के अन्तर्गत पूर्ण किया जाना आवश्यक होगा और किसी भी दशा में पुनरीक्षित आगणनों पर स्वीकृति प्रदान नहीं की

क्रमांक
(मायावती डकरीयाल)
अनुसचिव 8
शहरी विकास विभाग
उत्तरांचल शासन

जायेगी। कार्य की गुणवत्ता एवं समयबद्धता हेतु संबंधित निर्माण एजेन्सी के अधिशासी अभियंता/अधिशासी अधिकारी पूर्णरूपेण उत्तरदायी होंगे।

9. स्वीकृत कार्य कराते समय वित्तीय हस्तपुस्तिका, बजट मैनुअल, स्टोर परचेज रूल्स एवं मितव्ययिता के संबंध में शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत किये गये शासनादेशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाये। एकमुश्त प्राविधान के विस्तृत आगणन गठित कर लिये जाये और इन पर यदि किसी तकनीकी अधिकारी के कार्य कराने से पूर्व का अनुमोदन प्राप्त करना नियमानुसार आवश्यक हो तो कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व उक्त अनुमोदन अवश्य प्राप्त कर लिया जाये।
 10. निर्माण एजेन्सी के चयन में शासनादेश संख्या 452/XXVII(1)/2005 दिनांक 05 अप्रैल 2005 में निर्गत निर्देशों का अनुपालन किया जायेगा।
 11. यदि उक्त कार्य अन्य विभागीय/नगर निकाय के बजट से स्वीकृत हो चुके हैं या कराये जा चुके हैं, तब संबंधित योजना/कार्य के लिए इस शासनादेश द्वारा अवमुक्त की जा रही धनराशि का कोषागार से आहरण न करके उसकी सूचना शासन को देकर आवश्यक धनराशि शासन को तत्काल समर्पित कर दी जायेगी।
 12. कार्य करने के बाद कार्य स्थान पर योजना के पूर्ण विवरण के साथ अर्थात् योजना की लागत, लम्बाई, कार्यदायी संस्था, ठेकेदार का नाम, प्रारम्भ करने का समय, पूर्ण करने का समय तथा वित्त पोषण के श्रोत के विवरण के साथ एक साइनबोर्ड उक्त योजना की लागत से ही लगा दिया जायेगा।
 13. जी.पी.डब्ल्यू. फार्म-9 की शर्तों के अनुसार निर्माण इकाई को कार्य संपादित करना होगा तथा समय से कार्य पूर्ण न करने पर निर्माण इकाई से आगणन की कुल लागत का 10 प्रतिशत की दर से दण्ड वसूल किया जायेगा।
 14. सभी निर्माण कार्य समय-समय पर गुणवत्ता एवं मानकों के संबंध में निर्गत शासनादेशों के अनुरूप कराये जायें तथा यदि निर्माण कार्य निर्धारित मानकों को पूर्ण नहीं करते हैं तो संबंधित संस्था को अग्रेत्तर धनराशि उक्त मानकों को पूर्ण करने पर निर्गत की जायेगी। निर्माण एजेन्सी को एकमुश्त पूर्ण धनराशि अवमुक्त न करके दो अथवा तीन किशतों में धनराशि अवमुक्त की जायेगी और अंतिम किशत तब ही निर्गत की जाये, जब कार्य की गुणवत्ता ठीक हो, शासनादेश के मानकों के अनुरूप हो।
 15. आगणन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण संबंधित विभाग के अधिशासी अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों तथा जो दरें शिड्यूल ऑफ रेट में स्वीकृत नहीं हैं अथवा बाजार भाव से ली गई हों, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता का अनुमोदन आवश्यक होगा। तदोपरान्त ही आगणन की स्वीकृति मान्य होगी।
 16. उक्त स्वीकृत की जा रही धनराशि की प्रतिपूर्ति का प्रस्ताव अविलम्ब शासन को प्रेषित किया जायेगा।
 17. कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि के मध्यनजर रखते हुए एवं लो.नि.वि. द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों के अनुरूप ही कार्य को सम्पादित कराते समय पालन करना सुनिश्चित करें।
 18. विस्तृत आगणन में ली जाने वाली दरों का अनुमोदन निकटतम लो.नि.वि. के अधिशासी अभियन्ता से आवश्यक होगा एवं कार्य कराने से पूर्व समस्त कार्यों का स्थल निरीक्षण उच्च अधिकारियों एवं भूगर्भवेत्ता के साथ अवश्य करा लिया जाए एवं स्थल पर आवश्यकतानुसार ही कार्य किये जायेंगे।
 19. निर्माण कार्य पर प्रयोग किये जाने वाली सामग्री का नमूना परीक्षण अवश्य करा लिया जाये तथा उपयुक्त पायी गयी सामग्री का ही प्रयोग निर्माण कार्य में किया जाये।
 20. कार्य दि० 31-3-2006 तक पूर्ण करके इसी वित्तीय वर्ष में उक्त कार्यों की वित्तीय एवं प्रौद्योगिक प्रगति का विवरण राज्य सरकार को तथा उपयोगिता प्रमाणपत्र भी शासन को उपलब्ध करा दिया जाये।
- कार्यो की समयबद्धता एवं गुणवत्ता हेतु संबंधित अधिशासी अभियन्ता/अधिशासी अधिकारी पूर्णरूप से उत्तरदायी होंगे।

मायावती दफ्तरिया
अनुसूचित
शहरी निकाय
उत्तरांचल शासन

22. मुख्य सचिव महोदय, उत्तरांचल शासन के शासनोद्देश संख्या 2047/XIV-219/2006 दिनांक 30मई, 2006 के द्वारा निर्गत आदेशों के क्रम में कार्य कराते समय अथवा आगणन गठित करते समय का कड़ाई से पालन किया जाए।

3- उक्त के संबंध में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2006-07 के आय-व्यय के अनुदान संख्या 13 के आयोजनागत पक्ष के लेखाशीर्षक "2217-शहरी विकास-03- छोटे तथा मध्यम श्रेणी के नगरों का समेकित विकास-आयोजनागत-191-स्थानीय निकायों, निगमों, शहरी विकास प्राधिकरणों, नगर सुधार बोर्डों को सहायता-03-नगरों का समेकित विकास-05- नगरीय अवस्थापना सुविधाओं का विकास" के मानक मद '20 सहायक अनुदान/अंशदान/ राज सहायता' के नामे डाला जायेगा।

4- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या : 937/XXVII(2)/2006 दिनांक 08 नवम्बर, 2006 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।
संलग्न : यथोपरि।


भवदीय,

(अमरेन्द्र सिन्हा)
सचिव।


संख्या : 529 (1)/V/2006 तददिनांक। 30/11/06

प्रतिलिपि : निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित : -

1. महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी प्रथम) उत्तरांचल, देहरादून।
2. निजी सचिव, मा. नगर विकास मंत्री जी।
3. निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तरांचल शासन।
4. जिलाधिकारी, देहरादून।
5. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
6. वित्त अनुभाग-2/वित्त नियोजन प्रकोष्ठ, बजट अनुभाग, उत्तरांचल शासन।
7. निदेशक, एन.आई.सी., सचिवालय परिसर, देहरादून, को इस अनुरोध के साथ कि नगर विकास के जी.ओ. में इसे शामिल करने का कष्ट करें।
8. अध्यक्ष/अधिसासी अधिकारी, नगर पालिका परिषद, विकासनगर।
9. बजट, राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, सचिवालय परिसर, देहरादून।
10. गार्ड फाइल।


(मायावती इकरियाल)
अनुसंधान
शहरी विकास विभाग
उत्तरांचल शासन

आज्ञा से,


(एन. के. जोशी)
अपर सचिव।


नगर पालिका परिषद, विकासनगर, (देहरादून)-

शासनादेश संख्या : 1529 / V-2006-500(सा0-06) / 2006टी0सी0, दिनांक 20 नवम्बर, 2006 का संलग्नक

(लाख रुपये में)

क्र०सं०	कार्य का नाम	आगणनकी लागत	टी०.ए.सी. से अनुमोदित
01	सिंगरा कालोनी में श्री धरमचंद, श्री मोहिन्द्र सिंह तथा श्री विट्ठु कोचर के मकान के समीप टाईल सड़क निर्माण	2.07	1.84
02	वार्ड नं०-1 में नहर पर बब्लू के घर से डा० जगदीर सिंह के घर तक टाईल सड़क निर्माण	8.64	7.68
03	सिंगरा कालोनी से विद्यापीठ तक आर.सी.सी. पाईप की नाली का निर्माण	2.78	2.77
04	वार्ड नं०-1 में श्री शिवप्रसाद बगवाड़ी के घर से रोमी ग्रावर के घर तक टाईल सड़क निर्माण	7.53	6.70
05	वार्ड नं०-1 में कैनाल रोड जलागम आफिस से मन्दिर तक टाईल सड़क निर्माण	1.40	1.24
06	वार्ड नं०-2 में पुलिस चौकी के समीप श्री सलीम के घर के पास तथा पुराने पोस्ट आफिस के पास टाईल सड़क निर्माण	1.40	1.24
07	वार्ड नं०-1 सिंगरा कालोनी में एन.एच.-123 पर श्री नत्थी सिंह तोमर के मकान से श्री महेश गर्ग के मकान तक टाईल सड़क निर्माण	3.06	2.95
08	किश्चयन कब्रिस्तान में टाईल सड़क निर्माण	1.22	1.16
09	वार्ड नं०-1 व 2 में श्री शिवलाल बडोला के घर से श्रीमती सबीना, श्री कययूम व श्री मकसूद के घर से होते हुए भट्टा रोड तक टाईल सड़क निर्माण	3.90	3.50
10	वार्ड नं०-1 व 2 में पुलिस चौकी के समीप श्री अकिल के घर से मजिद होटल तक टाईल सड़क निर्माण	1.73	1.52
11	वार्ड नं०-5 में डा० रैपगे के मकान के समीप टाईल सड़क निर्माण	1.36	1.21
12	वार्ड नं०-5 में श्री हरीश चौना, पी०डी० नौटियाल तथा आर०सी० गर्ग के मकान के समीप टाईल सड़क निर्माण	2.62	2.33
13	वार्ड नं०-5 में श्री दयाराम के मकान से श्री आर०एस० चौहान के घर तक टाईल सड़क निर्माण	1.98	1.76
14	वार्ड नं०-5 में एन.एच. 123 गैस एजेन्सी से बाईपास रोड तक बिटुमन सड़क निर्माण	3.06	3.00
15	वार्ड नं०-9 सैय्यद रोड से श्री करन बहादुर के मकान तक बिटुमन सड़क निर्माण	4.04	3.74
16	वार्ड नं०-9 में सैय्यद की मजार से एन.एच. 123 तक नाली निर्माण	2.23	2.20
17	वार्ड नं०-9 में टेलीफोन एक्सचेंज से श्री आशाराम डोमाल के मकान तक सी०सी० टाईल सड़क निर्माण	2.08	1.84
18	कूड़ा-निस्तारण स्थल की बाउण्ड्रीवाल का निर्माण	7.61	7.59
	कुल योग-	58.71	54.27

(रुपये चव्वन लाख सताईस हजार मात्र)


(मायावती डिकरियाल)

अनुमोदित
शहरी विकास विभाग
उत्तरांचल शाखा